NITI Aayog

सत्यमेव जयते
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Government of India

Food and Agriculture Organization of the United Nations

राष्ट्रीय संवाद

2030 की ओर अग्रसर भारतीय कृषि

किसानों की आय बढ़ाने, पोषण सुरक्षा एवं सतत खाद्य प्रणाली के लिए दिशा एवं उपाय

भारतीय कृषि का रूपांतरण

डॉ. अशोक गुलाटी और डॉ. रितिका जुनेजा

प्रस्तावना

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दुनिया के कृषि योग्य भूमि क्षेत्र का 11.24 प्रतिशत[1] एवं दुनिया का 4 प्रतिशत नवीकरणीय जल संसाधन रखने वाला भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी (2020 तक) के लिए पर्याप्त भोजन, खाद्य और फाइबर का उत्पादन करता है। पिछले कुछ दशकों (1980/81--2019/20) में, इस क्षेत्र में 3.2 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि इस अवधि के दौरान प्रति वर्ष 1.7 प्रतिशत की हुई जनसंख्या वृद्धि से लगभग दोगुनी है। इसी वजह से, खाद्यान्न की कमी वाले भारत में 2018-19 में कृषि-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.7 प्रतिशत का शुद्ध व्यापार अधिशेष (नेट ट्रेड सरप्लस) है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान लगभग 16.5 प्रतिशत है, और देश के कार्यबल (2019/20) की लगभग 42.3 प्रतिशत आबादी औसतन 1.08 हेक्टेयर (2015/16) के औसत जोत-क्षेत्र के साथ इस क्षेत्र में नियोजित है। यह शोध-पत्र चर्चा करता है कि भारतीय कृषि की संरचना इस लंबे वक्त में कैसे बदली है और इस बदलाव में तकनीकों, निवेशों और संस्थानों एवं नीतियों की भूमिका क्या रही है। इसी संदर्भ में, यह शोध-पत्र सवाल उठाता है की क्या भारत स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण, आदि की उभरती चुनौतियों के देखते हुए 2030 तक खाद्य अधिशेष वाला राष्ट्र बना रह सकता है? इस शोध-पत्र के अनुसार खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में उभरते नवोन्मेषों से भारत खाद्य के क्षेत्र में काफी हद तक आत्मनिर्भर बना रह सकता है और कृषि उत्पात के शुद्ध अधिशेष (नेट सरप्लस) की भी कुछ संभावनाएं हैं। देश में अधिक पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की संभावनाएं हैं, बशर्ते की हमारी कृषि नीति न केवल उपज-तटस्थ, बल्कि उपभोक्ता एवं उत्पादक तटस्थ भी हो।

पेपर डाउनलोड करने के लिए यहां क्लिक करें।

कीवर्ड: कृषि, रूपांतरण, विविधीकरण, गहनता
जेईएल कोड: I38, O13, Q01, Q10, Q11, Q18

[1] As on 2017, world's arable land accounts to 1.4 billion hectares and India's arable land is 156.4 million hectares (FAOSTAT, 2019). According to the FAO, "Arable land refers to land under temporary crops (double cropped areas are counted only once), temporary meadows for mowing or pasture, land under market and kitchen gardens and land temporarily fallow (less than five years). The abandoned land resulting from shifting cultivation is not included"(Source: http://www.fao.org/ag/agn/nutrition/Indicatorsfiles/Agriculture.pdf)